अनुक्रमणिका

(1) भारत का संविधान : निर्माण....2
(2) भारतीय संविधान की विशेषताएँ....30
(3) संविधान संशोधन....39
(4) उद्देशिका/प्रस्तावना....57
(5) नागरिकता....64
(6) राज्य की नीति के निदेशक तत्व....69
(7) मूल अधिकार....86
(8) मूल कर्तव्य....112
(9) राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति....117
(10) प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्....141
(11) संसद एवं संसदीय प्रणाली....163
(12) उच्चतम न्यायालय....211
(13) भारत निर्वाचन आयोग....238
(14) नीति आयोग....246
(15) केन्द्रीय सतर्कता आयोग....252
(16) लोकपाल....259
(17) केन्द्रीय सूचना आयोग....265
(18) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग....272
(19) संघवाद / केन्द्र-राज्य संबंध....280
(20) संघ लोक सेवा आयोग....305
(21) राष्ट्रीय महिला आयोग....310
(22) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग....314
(23) शहरी और ग्रामीण स्थानीय सरकार....317
(24) लोक नीति....331
(25) नागरिक चार्टर....334
(26) सामाजिक अंकेक्षण एवं शिकायत निवारण प्रणाली....336
(27) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (RAS प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम से हटाया गया)....338

Scan this QR code to attempt topicwise PYQs

(1) भारत का संविधान : निर्माण

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कर सही उत्तर का चयन कीजिए:
   (A) भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्थापना भारत शासन अधिनियम, 1935 के तहत हुई थीं।
   (B) भारत शासन अधिनियम, 1935 में 321 धाराएं और 10 अनुसूचियां थीं।
   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

(A) ❌	भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्थापना भारत शासन अधिनियम, 1935 के तहत नहीं हुई थी। RBI की स्थापना भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत 1 अप्रैल 1935 को हुई थी।
(B) ✅	भारत शासन अधिनियम, 1935 में 14 भाग , 321 धाराएँ तथा 10 अनुसूचियाँ थीं।

अतिरिक्त जानकारी

भारत शासन अधिनियम, 1935 -

- ❖ 1930, 1931, 1932 के गोलमेज सम्मेलन की रिपोर्ट के आधार पर
- ❖ 4 अगस्त 1935 को सम्राट की अनुमति मिलने के बाद यह अधिनियम लागू हुआ।
- ❖ यह अधिनियम भारत में पूर्ण उत्तरदायी सरकार के गठन में एक मील का पत्थर साबित हुआ।
- ❖ इसमे 14 भाग + 321 धारायें + 10 अनुसूची
- ❖ धारा - 5 - अखिल भारतीय फेडरेशन / भारत संघ की स्थापना की परिकल्पना:
  - ➢ The federation of India
    (All india federation नहीं)
  - ➢ यह फेडरेशन
    - ■ ब्रिटिश भारत के प्रांतों (11) - अनिवार्य
    - ■ चीफ कमिश्नर प्रांतों (6) - अनिवार्य
    - ■ भारतीय रियासतों (562) - स्वैच्छिक

    को मिलाकर बनाया जाना था। इससे पहले भारत एक एकात्मक राज्य था, जहां प्रांत केवल केंद्र के अधीन थे।
- ❖ फेडरेशन में शामिल होने के लिए कम से कम 50% देशी रियासतों की आवश्यकता थी। रियासतों ने इसे स्वीकार नहीं किया, जिससे संघीय ढांचा कभी अस्तित्व में नहीं आ पाया।
- ❖ केंद्र और इकाइयों के बीच तीन सूचियों के आधार पर शक्तियों का बंटवारा कर दिया। (7 वीं अनुसूची)
  1. संघीय सूची - 59 विषय
  2. प्रांतीय सूची - 54 विषय
  3. समवर्ती सूची - 36 विषय

  (अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को दे दी गई - धारा 104)
- ❖ प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त कर दी तथा प्रांतीय स्वायत्तता का शुभारंभ किया (01 अप्रैल 1937 को)। मंत्रिमंडल को विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।
- ❖ केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली का शुभारंभ किया। परिणामत: संघीय विषयों को स्थानांतरित और आरक्षित विषयों में विभक्त करना पड़ा। हालांकि यह प्रावधान कभी लागू नहीं हो सका।
- ❖ इस अधिनियम के तहत दो नए प्रांत बनाए गए:
  1. उड़ीसा 2. सिंध
- ❖ इस अधिनियम के तहत 1 अप्रैल 1937 से बर्मा का प्रशासन भारत से पूर्ण रूप से अलग कर दिया गया।
- ❖ इसने न केवल संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की बल्कि प्रांतीय सेवा आयोग और दो या अधिक राज्यों के लिए संयुक्त सेवा आयोग की स्थापना भी की।
- ❖ इसके तहत 1937 में संघीय न्यायालय की स्थापना भी की।
- ❖ मताधिकार का विस्तार किया गया। (लगभग - 10 प्रतिशत)
- ❖ गवर्नर जनरल को वीटो पॉवर (संविधान में अनुच्छेद 123 शक्ति यही से)
- ❖ उद्देशिका का उल्लेख नहीं
- ❖ संयुक्त बैठक का प्रावधान
- ❖ ब्रिटिश शासन भारत को डोमिनियन दर्जा देगा ना की पूर्ण स्वतंत्रता
- ❖ दलित जातियों, महिलाओं और मजदूर वर्ग के लिए अलग निर्वाचन
- ❖ भारत परिषद अधिनियम, 1858 को समाप्त

(2) भारतीय संविधान की विशेषताएँ

1. भारतीय संविधान की विशेषता एकात्मक लक्षणों सहित संघात्मक व्यवस्था है, निम्न में से कौन से संघात्मक व्यवस्था के लक्षण है?
(A) अखिल भारतीय सेवाएँ
(B) राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति
(C) शक्तियों का विभाजन
(D) संसद के दो सदन
दिये गये निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:-
(1) केवल (A) व (C)
(2) केवल (A) व (D)
(3) केवल (B) व (C)
(4) केवल (C) व (D)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)
व्याख्या :-

(A) अखिल भारतीय सेवाएँ	एकात्मक लक्षण
(B) राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति	एकात्मक लक्षण
(C) शक्तियों का विभाजन	संघात्मक लक्षण ✅
(D) संसद के दो सदन	संघात्मक लक्षण ✅

अतिरिक्त जानकारी

एकात्मक लक्षणों सहित संघात्मक व्यवस्था
- ❖ हालांकि भारत में संघीय सरकार है पर संविधान में 'संघीय (Federation) शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है।
- ❖ अनु. 1 में वर्णित है "इण्डिया अर्थात भारत राज्यों का एक संघ होगा ' (Union of States) Union of States के अम्बेडकर ने दो तात्पर्य बताएँ।
  - **A.** भारतीय संघ राज्यों अर्थात इकाईयों के समझौते का परिणाम नहीं है।
  - **B.** किसी राज्य को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है।
- ❖ 1935 के अधिनियम में पहली बार एक संघीय शासन (Federation of India) की स्थापना का प्रावधान रखा गया। यद्यपि व्यावहारिक कठिनाइयों के चलते यह संघीय योजना लागू नहीं हो सकी।

भारत के संघीय और एकात्मक लक्षण

एकात्मक लक्षण (Unitary Features)
- ❖ एक संविधान
- ❖ एकल नागरिकता
- ❖ एकल न्यायपालिका
- ❖ आपात उपबंध
- ❖ राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति
- ❖ सशक्त केंद्र
- ❖ अखिल भारतीय सेवाएँ
- ❖ शक्तियों का विभाजन केंद्र की ओर झुका होना
- ❖ केंद्र के पास आर्थिक एवं राजस्व के अधिक संसाधन
- ❖ नए राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के नाम, क्षेत्र व सीमा में परिवर्तन करने की शक्ति केंद्र के पास; विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ
- ❖ एकीकृत लेखा परीक्षण की व्यवस्था (CAG)
- ❖ संविधान संशोधन के संबंध में केंद्र को अधिक शक्तियाँ

संघात्मक लक्षण (Federal Features)
- ❖ दो सरकारें (केंद्र और राज्य)
- ❖ शक्तियों का विभाजन
- ❖ लिखित संविधान
- ❖ संविधान की सर्वोच्चता
- ❖ संविधान की कठोरता
- ❖ स्वतंत्र न्यायपालिका
- ❖ संसद के दो सदन

2. भारतीय संविधान के भाग, विषय एवं संबंधित अनुच्छेद के संबंध में निम्न में से कौनसा **असुमेलित युग्म** है? -

	भाग	**विषय**	**संबंधित अनुच्छेद**
(A).	XX	संविधान का संशोधन	368
(B).	IX (B)	सहकारी समितियां	243-ZH से 243-ZT
(C).	VIII	संघ राज्य क्षेत्र	239 से 242
(D).	XVIII	आपात उपबंध	352 से 360

दिये गये निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:-
(1) केवल (A) व (C)
(2) केवल (B) व (D)
(3) केवल (B) व (C)
(4) इनमे से कोई नहीं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

(3) संविधान संशोधन

1. सर्वोच्च न्यायालय ने किस मामले में संविधान की आधारभूत संरचना सिद्धांत की स्थापना की?
   (1) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
   (2) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
   (3) एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ
   (4) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

❖ सर्वोच्च न्यायालय ने 24 अप्रैल 1973 को 'केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य' मामले में संविधान की आधारभूत संरचना सिद्धांत की स्थापना की। इस मामले में न्यायालय ने 7:6 के बहुमत से निर्णय दिया कि संसद को संविधान संशोधन का अधिकार है, लेकिन वह संविधान के मूल ढाँचे को नष्ट या परिवर्तित नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश एस. एम. सीकरी ने कहा कि संविधान की सर्वोच्चता बनी रहनी चाहिए।

2. निम्नलिखित मामलों का दिये गये कूटों की सहायता से **सही क्रम** का चयन कीजिएः-
   (A) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
   (B) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ
   (C) 24वाँ संविधान संशोधन
   (D) वामन राव बनाम भारत संघ

   कूट :
   (1) (B), (A), (C), (D)
   (2) (A), (C), (B), (D)
   (3) (A), (B), (D), (C)
   (4) (B), (D), (A), (C)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (1)

व्याख्या :-

मामला/संशोधन	वर्ष	संक्षिप्त व्याख्या
(B) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ	1951	• संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन करने की पूर्ण स्वतंत्रता दी गई।
(A) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य	1967	• संसद मौलिक अधिकारों को संशोधन के माध्यम से समाप्त नहीं कर सकती।
(C) 24वाँ संविधान संशोधन	1971	• अनुच्छेद 368 में संशोधन कर संसद की शक्ति को स्पष्ट किया गया • मौलिक अधिकारों में संशोधन संभव हुआ।
(D) वामन राव बनाम भारत संघ	1981	• स्पष्ट किया गया कि केशवानंद भारती फैसले के बाद किए गए संशोधनों पर मूल संरचना सिद्धांत लागू होगा; सिद्धांत की पुष्टि।

अतिरिक्त जानकारी		
1975	इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण	• लोकतंत्र को संविधान के **मूल ढाँचे** का हिस्सा माना गया।
1976	42वाँ संविधान संशोधन	• संसद ने घोषणा की कि उसकी संशोधन शक्ति पर कोई न्यायिक सीमा नहीं होगी।
1980	मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ	• न्यायालय ने 42वें संशोधन के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराया • न्यायिक समीक्षा को **मूल संरचना** का हिस्सा माना; संसद की संशोधन शक्ति सीमित।
1994	एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ	• धर्मनिरपेक्षता को संविधान के **मूल ढाँचे** का हिस्सा माना गया।
2015	एस. सी. एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन बनाम भारत संघ	• न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए NJAC अधिनियम, 2014 को असंवैधानिक घोषित किया गया।

(4) उद्देशिका/प्रस्तावना

1. भारतीय संविधान की प्रस्तावना से संबंधित निम्नलिखित कथनो पर विचार कर **सत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) प्रस्तावना का विचार U.S.A. से लिया गया।
   (B) संविधान द्वारा अन्तिम प्रभुसत्ता ' भारतीय जनता' में निहित की गयी है ।
   (C) संविधान सभा ने उद्देशिका को प्रारूप संविधान के द्वितीय वाचन के अन्तिम दिन 17 अक्टूबर, 1949 को स्वीकार किया।
   (D) भारत शासन अधिनियम, 1919 में उद्देशिका का उल्लेख था किन्तु भारत शासन अधिनियम, 1935 में उद्देशिका का उल्लेख नहीं किया गया।
   दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (D)
   (2) केवल (B), (C) व (D)
   (3) केवल (A), (B) व (C)
   (4) केवल (A), (B), (C) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A)✅	❖ प्रस्तावना सर्वप्रथम U.S.A. के संविधान में शामिल की गई थी। अतः भारतीय संविधान में प्रस्तावना का विचार U.S.A. से लिया गया है। "हम, भारत के लोग" (We, the people of India) शब्द U.S.A. के संविधान की प्रस्तावना "We, the people of United States" के बिल्कुल समरूप हैं। ❖ **नोट:** प्रस्तावना की भाषा **ऑस्ट्रेलिया** के संविधान से और उद्देशिका के प्रारंभिक व अंतिम शब्द **आयरलैंड** के संविधान से प्रभावित हैं।
(B)✅	❖ भारतीय संविधान द्वारा अंतिम प्रभुसत्ता **'भारतीय जनता'** में निहित की गयी है।
(C)✅	❖ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का मुख्य आधार पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में प्रस्तावित **उद्देश्य प्रस्ताव** है, जिसे 13 दिसम्बर 1946 को प्रस्तुत और 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया था। संविधान सभा ने इस उद्देशिका को प्रारूप संविधान के द्वितीय वाचन के अन्तिम दिन **17 अक्टूबर, 1949** को स्वीकार किया था। यह उद्देशिका आगे चलकर 26 जनवरी, 1950 को प्रवर्तन (लागू) में आयी।
(D)✅	❖ **भारत शासन अधिनियम, 1919** में एक अलग उद्देशिका का स्पष्ट उल्लेख था। इसके विपरीत, **भारत शासन अधिनियम, 1935** में कोई अपनी नई उद्देशिका नहीं थी; इसके लिए 1919 के अधिनियम की उद्देशिका को ही प्रासंगिक माना गया था।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) मूल प्रस्तावना में 'समाजवादी ' 'पंथनिरपेक्ष', 'एकता और 'अखण्डता' शब्द नहीं थे
   (B) भारतीय संविधान की प्रस्तावना में अब तक केवल 1 बार ही संशोधन 44वाँ संविधान संशोधन किया गया है।
   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A) ❌	❖ मूल प्रस्तावना में **'समाजवादी'**, **'पंथनिरपेक्ष'** और **'अखण्डता'** शब्द नहीं थे, ये बाद में **42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976** द्वारा जोड़े गए। किंतु **'एकता'** शब्द संविधान की मूल उद्देशिका में पहले से ही मौजूद था।
(B) ❌	❖ भारतीय संविधान की प्रस्तावना में अब तक केवल **एक बार** संशोधन किया गया है, लेकिन यह संशोधन **42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976** द्वारा किया गया था, न कि 44वें संविधान संशोधन द्वारा। 42वें संशोधन के माध्यम से 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'अखण्डता' शब्द जोड़े गए तथा 'राष्ट्र की एकता' को बदलकर **'राष्ट्र की एकता और अखण्डता'** किया गया। यह परिवर्तन Sardar Swaran Singh समिति की सिफारिश पर किया गया था। उस समय सरदार स्वर्ण सिंह, Indira Gandhi मंत्रिमंडल में रक्षा मंत्री थे।

(5) नागरिकता

1. नागरिकता अधिनियम, 1955 से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कर **असत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) 26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति को नागरिकता तभी दी गई जब उसके माता-पिता में से कम से कम एक भारतीय नागरिक था।
   (B) एक भारतीय मूल का व्यक्ति (PIO) जो 7 वर्षों से भारत में रह रहा है, वह पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकता है, भले ही वह वर्तमान में एक अवैध प्रवासी (Illegal Migrant) हो।
   (C) 26 जनवरी 1950 के बाद लेकिन 10 दिसंबर 1992 से पहले भारत के बाहर जन्मे व्यक्ति को नागरिकता मिल सकती थी, यदि उसके जन्म के समय उसकी 'माता' भारतीय नागरिक रही हो।
   (D) जब किसी विदेशी क्षेत्र का भारत में विलय होता है, तो वहां के निवासी स्वतः भारत के नागरिक नहीं बनते, बल्कि इसके लिए भारत सरकार को एक विशिष्ट आदेश जारी करना होता है।

   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (A), (B) व (D)
   (3) केवल (C) व (D)
   (4) केवल (A), (B), (C) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (1)

व्याख्या:-

(A) ❌	26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति को जन्म के आधार पर स्वतः भारतीय नागरिकता मिलती थी। इस अवधि में माता-पिता के भारतीय नागरिक होने की कोई शर्त नहीं थी।
(B)❌	नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 5 के अनुसार पंजीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त करने के लिए आवेदक का अवैध प्रवासी नहीं होना आवश्यक है। इसलिए PIO होने और 7 वर्ष निवास करने के बावजूद अवैध प्रवासी आवेदन नहीं कर सकता।
(C) ❌	26 जनवरी 1950 से 10 दिसंबर 1992 के बीच भारत के बाहर जन्मे व्यक्ति को वंश के आधार पर नागरिकता तभी मिलती थी, जब उसके जन्म के समय उसके पिता भारतीय नागरिक हों। माता के आधार पर नागरिकता का प्रावधान 10 दिसंबर 1992 के बाद जोड़ा गया।
(D)✅	विदेशी क्षेत्र के भारत में विलय होने पर वहाँ के निवासियों को नागरिकता स्वतः नहीं मिलती; इसके लिए भारत सरकार द्वारा विशेष आदेश जारी किया जाता है (जैसे नागरिकता (पांडिचेरी) आदेश, 1962)।

नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के पाँच मुख्य आधार निर्धारित किए गए हैं।

1. जन्म से
- ❖ **26 Jan 1950 – 1 July 1987:** भारत में जन्मा हर व्यक्ति नागरिक (माता-पिता की राष्ट्रीयता चाहे जो हो)।
- ❖ **1 July 1987 – 3 Dec 2004:** माता-पिता में से किसी एक का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य।
- ❖ **3 Dec 2004 के बाद:** माता-पिता दोनों नागरिक हों, या एक नागरिक हो और दूसरा अवैध प्रवासी न हो।
- ❖ **अपवाद:** विदेशी राजनयिकों और शत्रु देश के बच्चों को यह अधिकार नहीं है।

2. वंश के आधार पर
- ❖ **26 Jan 1950 – 10 Dec 1992:** विदेश में जन्म होने पर केवल 'पिता' का भारतीय होना जरूरी था।
- ❖ **10 Dec 1992 के बाद:** माता या पिता में से कोई भी एक भारतीय नागरिक होना चाहिए।
- ❖ **3 Dec 2004 के बाद:** जन्म से 1 वर्ष के भीतर भारतीय दूतावास में पंजीकरण व अन्य पासपोर्ट न होने का शपथ पत्र अनिवार्य।
- ❖ **नाबालिग:** दोहरी नागरिकता की स्थिति में वयस्क होने के 6 माह के भीतर विदेशी नागरिकता त्यागनी होगी।

3. पंजीकरण द्वारा
- ❖ **मूल शर्त:** आवेदक अवैध प्रवासी (Illegal Migrant) नहीं होना चाहिए।
- ❖ **भारतीय मूल (PIO) / वैवाहिक आधार:** आवेदन से ठीक पहले 7 वर्षों से भारत में रहना अनिवार्य।
- ❖ **अन्य पात्र:** अविभाजित भारत के बाहर रहने वाले PIO, भारतीय नागरिकों के नाबालिग बच्चे, या जो स्वयं/माता-पिता स्वतंत्र भारत के नागरिक रहे हों (12 महीने से भारत में रह रहे हों)।
- ❖ **PIO परिभाषा:** स्वयं, माता-पिता या दादा-दादी अविभाजित भारत में जन्मे हों। (निष्ठा की शपथ अनिवार्य)।

(7) मूल अधिकार

1. मौलिक अधिकारों की उप समिति के संबंध में निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) समिति के सभापति सरदार पटेल थे ।
   (B) मीनू मसानी, के.टी. शाह, अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर,के.एम. मुंशी समिति के सदस्य थे।
   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

(A) ❌	संविधान सभा में मूल अधिकारों एवं अल्पसंख्यक अधिकारों के संबंध में सुझाव देने हेतु गठित परामर्श समिति के अध्यक्ष सरदार पटेल थे। परंतु मौलिक अधिकारों की उपसमिति के सभापति जे.बी. कृपलानी थे, इसलिए यह कथन सही नहीं है।
(B) ✅	मीनू मसानी, के.टी. शाह, अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर तथा के.एम. मुंशी मौलिक अधिकारों की उपसमिति के सदस्य थे। इनके अतिरिक्त डॉ. अम्बेडकर, मौलाना आजाद, हंसा मेहता, जयरामदास दौलतराम, के. पन्निकर, राजकुमारी अमृत कौर तथा सरदार हरनाम सिंह आदि भी इस उपसमिति के सदस्य थे।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) अनु. 13(1) के अनुसार संविधान के प्रारम्भ से ठीक पहले भारत के राज्यक्षेत्र में प्रवत्त (Force) सभी विधियां उस मात्रा तक शून्य होगी जिस तक वे इस भाग के उपबंधों से असंगत है।
   (B) अनुच्छेद 13, 32, 226 जैसे संवैधानिक उपबंध न्यायालय को न्यायिक पुनरावलोकन का अधिकार देते हैं।
   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

(A) ✅	**अनुच्छेद 13(1)** के अनुसार संविधान के प्रारम्भ से ठीक पहले भारत के राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त सभी विधियाँ **भाग-III (मौलिक अधिकारों)** से असंगति की सीमा तक शून्य होंगी। ऐसी **संविधान-पूर्व विधियाँ न्यायिक पुनरावलोकन के अधीन होती हैं** तथा 26 जनवरी 1950 से असंगति की सीमा तक प्रभावहीन हो जाती हैं।
(B) ✅	**अनुच्छेद 13, 32 एवं 226** न्यायिक पुनरावलोकन का संवैधानिक आधार प्रदान करते हैं। इनके अंतर्गत **उच्चतम न्यायालय (अनुच्छेद 32)** तथा **उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 226)** मौलिक अधिकारों से असंगत विधियों को अवैधानिक एवं शून्य घोषित कर सकते हैं।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ **अनुच्छेद 13(1)** → संविधान-पूर्व विधियों से संबंधित है।
- ❖ **अनुच्छेद 13(2)** → राज्य ऐसी कोई विधि नहीं बनाएगा जो मौलिक अधिकारों को छीनती या न्यून करती हो।
- ❖ **अनुच्छेद 13(3)** → 'विधि' की परिभाषा देता है, जिसमें अध्यादेश, आदेश, नियम, उपनियम, अधिसूचना, रूढ़ि एवं प्रथा आदि शामिल हैं।
- ❖ **अनुच्छेद 13(4)** → 24वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 द्वारा जोड़ा गया; इसके अनुसार अनुच्छेद 368 के अंतर्गत किए गए संविधान संशोधन पर अनुच्छेद 13 लागू नहीं होगा।
- ❖ **"न्यायिक पुनरावलोकन "** शब्द का संविधान में कहीं भी स्पष्ट उल्लेख नहीं है, परन्तु इसकी शक्ति मुख्यतः अनुच्छेद 13, 32 एवं 226 से प्राप्त होती है।

3. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) अनुच्छेद 24 में प्रावधानानुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को खतरनाक कार्यों या कारखानों, खानों आदि में नियोजित करना वर्जित है तथा अनुच्छेद 23(1) इसका अपवाद है
   (B) अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, 30 केवल नागरिकों को प्राप्त मूल अधिकार, विदेशियों को नहीं।
   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

(8) मूल कर्तव्य

1. भारतीय संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कर **सत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर संविधान में 44 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा पहली बार संविधान में 10 मूल कर्तव्यों को जोड़ा गया था।
   (B) संविधान सभा सदस्य के टी शाह संविधान में मूल कर्तव्यों को सम्मिलित करने के प्रबल पक्षधर थे।
   (C) मूल कर्तव्य सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित है।
   मूल कर्तव्य केवल नागरिकों के लिए हैं न कि विदेशियों के लिए।
   दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (B), (C) व (D)
   (3) केवल (C) व (D)
   (4) केवल (A), (B), (C) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

(A) ❌	मूल कर्तव्य संविधान में सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम (1976) द्वारा भाग IV-A एवं अनुच्छेद 51(A) के अंतर्गत जोड़े गए थे, जिसमें प्रारंभ में 10 मूल कर्तव्य शामिल किए गए थे। वर्तमान में 11 मूल कर्तव्य है। 86वें संशोधन (2002) द्वारा 11वाँ कर्तव्य जोड़ा गया। इसलिए 44वें संशोधन का उल्लेख गलत है, अतः कथन (A) असत्य है।
(B) ✅	संविधान सभा सदस्य के. टी. शाह मूल कर्तव्यों को संविधान में शामिल करने के प्रबल पक्षधर थे और उन्होंने नागरिकों के अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की अवधारणा को भी आवश्यक बताया था। इसलिए कथन (B) सत्य है।
(C) ✅	मूल कर्तव्य सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित हैं। भारतीय संविधान में इन्हें नैतिक अनुशासन और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने हेतु शामिल किया गया। इसलिए कथन (C) सत्य है।
(D) ✅	मूल कर्तव्य केवल भारतीय नागरिकों पर लागू होते हैं, विदेशियों पर नहीं। अनुच्छेद 51(A) में स्पष्ट रूप से "every citizen of India" शब्द का प्रयोग किया गया है। इसलिए कथन (D) सत्य है।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ **86 वें संविधान संशोधन 2002** के द्वारा अनुच्छेद 51(A) को संशोधित करते हुए **11वाँ मूल कर्तव्य जोड़ा** गया।
  1. जो माता - पिता या संरक्षक हो वह छ; से चौदह वर्ष के नीचे की आयु के यथास्थिति अपने बच्चे अथवा प्रतिपालय को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करेगा।
- ❖ मूल कर्तव्यों के क्रियान्वयन के लिये संसद विधि बना सकती है। संविधान में सीधा यह नहीं लिखा कि "पालन न करने पर दंड मिलेगा", लेकिन अनुच्छेद 245 और 246 के अंतर्गत संसद को ऐसे कानून बनाने की शक्ति है, जिनसे नागरिक अपने मूल कर्तव्यों का पालन करने के लिए बाध्य हों।
- ❖ मूल कर्तव्य केवल नागरिकों के लिए हैं न कि विदेशियों के लिए।
- ❖ निदेशक तत्वों की तरह मूल कर्तव्य गैर-न्यायोचित हैं। संविधान में सीधे न्यायालय के जरिए उनके क्रियान्वयन की व्यवस्था नहीं है।
- ❖ मूल कर्तव्य न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है इसी कारण से पूर्व मुख्य न्यायाधीश लाहोटी ने इन्हे शो पीस ' (Show Peace) एवं 'मृत अक्षर' (Dead Latters) कहा है।

2. भारतीय संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों के संबंध में **असत्य** कथनों का चयन कीजियेः-
   (A) मूल कर्तव्य संविधान के भाग 4 (A) व अनुच्छेद 51 (A) में वर्णित है।
   (B) मूल कर्तव्य न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है।
   (C) राष्ट्रीय समीक्षा आयोग (2002) ने तीन मूल कर्तव्य जोड़ने की सिफारिश की
   (D) 91वां संविधान संशोधन, 2003 के द्वारा 11वाँ मूल कर्तव्य जोड़ा गया।
   दिये गये निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजियेः-
   (1) केवल (A) व (C)
   (2) केवल (A) व (D)
   (3) केवल (B) व (C)
   (4) केवल (C) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(9) राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति

1. संघ की कार्यपालिका में शामिल है -
   (A) राष्ट्रपति
   (B) उप-राष्ट्रपति
   (C) प्रधानमंत्री
   (D) मंत्रिपरिषद
   (E) महान्यायवादी
   दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (A), (D) व (E)
   (3) केवल (A), (B), (C) व (D)
   (4) उपर्युक्त सभी
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

- ❖ **भाग-5 में संविधान के अनुच्छेद 52 से 78 तक संघीय कार्यपालिका का विवरण है।**
- ❖ **संघ की कार्यपालिका में शामिल:**
  1. राष्ट्रपति (राज्य प्रमुख)
  2. उप-राष्ट्रपति
  3. प्रधानमंत्री
  4. मंत्रिपरिषद
  5. महान्यायवादी
- ❖ राष्ट्रपति भारत का प्रथम नागरिक तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुदृढ़ता का प्रतीक होता है।

अतिरिक्त जानकारी

- ❖ कार्यपालिका का निर्माण व्यवस्थापिका (संसद) से होता है।
- ❖ कार्यपालिका, व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है।
- ❖ दो प्रकार की कार्यपालिका पाई जाती है –
  1. नाममात्र/औपचारिक कार्यपालिका (राष्ट्रपति)
  2. वास्तविक कार्यपालिका (प्रधानमंत्री व मंत्रिपरिषद)
- ❖ राष्ट्रपति, कार्यपालिका के नाममात्र / संवैधानिक / औपचारिक प्रमुख तथा राष्ट्राध्यक्ष हैं।
- ❖ संविधान सभा ने राष्ट्रपति प्रणाली को अस्वीकार कर संसदीय प्रणाली को चुना।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कर **सत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) अनुच्छेद 53(2) के अनुसार, राष्ट्रपति रक्षा बलों का सर्वोच्च समादेश धारण करते हैं तथा इस सर्वोच्च समादेश का प्रयोग विधि के अनुसार विनियमित किया जाता है।
   (B) राष्ट्रपति हेतु न्यूनतम आयु 35 वर्ष जबकि उपराष्ट्रपति हेतु न्यूनतम आयु 30 वर्ष है।
   (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 (4) के अनुसार महान्यायवादी, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करेगा और ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करेगा जो राष्ट्रपति अवधारित करे।
   (D) राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर का चयन करता है।
   दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A) व (C)
   (2) केवल (A), (B) व (D)
   (3) केवल (C) व (D)
   (4) उपर्युक्त सभी
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (1)

व्याख्या:-

(A) ✅	अनुच्छेद 53(2) के अनुसार, राष्ट्रपति रक्षा बलों का सर्वोच्च समादेश धारण करते हैं तथा इस सर्वोच्च समादेश का प्रयोग विधि के अनुसार विनियमित किया जाता है।
(B) ❌	यह कथन गलत है। राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों पदों के लिए न्यूनतम आयु 35 वर्ष निर्धारित है। उपराष्ट्रपति के लिए 30 वर्ष की आयु का कोई प्रावधान नहीं है।
(C) ✅	अनुच्छेद 76(4) के अनुसार महान्यायवादी राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करेगा तथा ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करेगा जो राष्ट्रपति निर्धारित करे।
(D) ❌	यह कथन गलत है। लोकसभा चुनावों के बाद प्रथम बैठक से पूर्व राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति करता है। सामान्यतः वरिष्ठतम लोकसभा सदस्य को यह दायित्व दिया जाता है, जबकि चयन की प्रक्रिया में संसदीय कार्य मंत्रालय की भूमिका होती है।

अतिरिक्त जानकारी

अनुच्छेद 53: संघ की कार्यपालिका शक्ति

- ❖ **53(1) -** संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी। वह स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से संविधान के अनुसार उसका प्रयोग करेगा।

(10) प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्

1. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (विद्वान)		सूची-II (कथन)	
(A).	बार्कर	i.	"कैबिनेट नीतियों का चुम्बक है।"
(B).	रैम्जे म्योर	ii.	"कैबिनेट राज्य रूपी जहाज की स्टीयरिंग व्हील है।"
(C).	ग्लैडस्टोन	iii.	"कैबिनेट राजनीतिक संरचना की आधारशिला है।"
(D).	लोवेल	iv.	"कैबिनेट सूर्य की भांति है, जिसके चारों ओर अन्य निकाय परिक्रमा करते हैं।"

दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) A - (i), B - (ii), C - (iii), D - (iv)
(2) A - (i), B - (ii), C - (iv), D - (iii)
(3) A - (ii), B - (iii), C - (i), D - (iv)
(4) A - (ii), B - (iv), C - (i), D - (iii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

सूची-I (विद्वान)	सूची-II (कथन)
बार्कर	- "कैबिनेट नीतियों का चुम्बक है।"
रैम्जे म्योर	- "कैबिनेट राज्य रूपी जहाज की स्टीयरिंग व्हील है।"
ग्लैडस्टोन	- "कैबिनेट सूर्य की भांति है, जिसके चारों ओर अन्य निकाय परिक्रमा करते हैं।"
लोवेल	- "कैबिनेट राजनीतिक संरचना की आधारशिला है।"

विद्वानों द्वारा प्रधानमंत्री की भूमिका की व्याख्या	
विद्वान	**कथन**
सर जान मैरियट	- "कैबिनेट वह धुरी है जिसके चारों ओर सम्पूर्ण राजनीतिक प्रणाली घूमती है।"
बेगेहाट	- "कैबिनेट एक हाइफन है, जो कार्यपालिका और विधायिका को जोड़ता है।"
सर आइवर जेनिंग्स	- "कैबिनेट ब्रिटिश संवैधानिक व्यवस्था का केंद्र बिंदु है, जो सरकार को एकता प्रदान करता है।"
एल.एस. एमरी	- "कैबिनेट सरकार को दिशा देने वाला मुख्य यंत्र है।"

2. गठबंधन दौर के प्रधानमंत्री के संबंध में **असुमेलित** युग्म है?

(A)	1977- 80	-	1. मोरारजी देसाई 2. चंद्रशेखर
(B)	1989-91	-	1. वी.पी. सिंह 2. चौधरी चरण सिंह
(C)	1991-1996	-	1. पी.वी. नरसिम्हा राव 2. एच.डी. देवगौड़ा
(D)	1996-99	-	1. अटल बिहारी वाजपेयी 2. इंद्र कुमार गुजराल

नीचे दिये गये कूटों की सहायता से **सही उत्तर** का चयन कीजिए:

(1) केवल (A)
(2) केवल (B) व (C)
(3) केवल (A) व (C)
(4) उपर्युक्त सभी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

गठबंधन दौर के प्रधानमंत्री	
अवधि	**नाम प्रधानमंत्री**
1977- 80	1. मोरारजी देसाई 2. चौधरी चरण सिंह
1989-91	1. वी.पी. सिंह 2. चंद्रशेखर
1991-1996	1. पी.वी. नरसिम्हा राव
1996-99	1. अटल बिहारी वाजपेयी 2. एच.डी. देवगौड़ा 3. इंद्र कुमार गुजराल 4. अटल बिहारी वाजपेयी

(11) संसद एवं संसदीय प्रणाली

1. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) अनुच्छेद 106 के अनुसार सांसदों के वेतन, भत्तों और पेंशन का निर्धारण संसद स्वयं विधि द्वारा करती है
   (B) 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के बाद से अब तक केवल एक बार राज्यसभा की सदस्य संख्या में परिवर्तन हुआ है।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A) ❌	अनुच्छेद 106 के अनुसार सांसदों के वेतन एवं भत्तों का निर्धारण संसद विधि द्वारा करती है, परंतु पेंशन का उल्लेख संविधान में नहीं है। सांसदों की पेंशन संसद द्वारा बनाए गए कानून के माध्यम से प्रदान की जाती है। इसलिए कथन में वेतन, भत्तों और पेंशन तीनों को अनुच्छेद 106 से जोड़ना गलत है।
(B) ❌	26 जनवरी 1950 से अब तक राज्यसभा की सदस्य संख्या में एक बार नहीं, बल्कि कई बार परिवर्तन हुआ है। राज्यों के पुनर्गठन, नए राज्यों के गठन तथा संघ राज्य क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिए जाने के कारण चौथी अनुसूची में सीटों के आवंटन में समय-समय पर संशोधन हुए हैं। अतः यह कथन भी गलत है।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) 16वीं लोकसभा और 17वीं लोकसभा में विपक्ष का नेता नहीं था क्योंकि कोई भी दल 15% सीटें नहीं ला सका।
   (B) 91वें संविधान संशोधन अधिनियम (2003) के तहत मंत्रिपरिषद के आकार को लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15% तक सीमित किया गया, और 10वीं अनुसूची में 1/3 सदस्यों की दल–टूट की छूट समाप्त कर दी गई। अब केवल 2/3 सदस्यों के दल–विभाजन पर ही अयोग्यता से बचाव संभव है।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

(A) ❌	16वीं लोकसभा (2014-19) और 17वीं लोकसभा (2019-24) में विपक्ष का नेता नहीं था, लेकिन इसका कारण 15% सीटें न मिलना नहीं, बल्कि 10% सीटें न मिलना था। विपक्ष के नेता के लिए परंपरागत रूप से लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का 10% (55 सीटें) आवश्यक माना जाता है।
(B) ✅	91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% तक सीमित किया गया। साथ ही, 10वीं अनुसूची से 1/3 सदस्यों के दल-टूट (Split) की छूट समाप्त कर दी गई। अब केवल 2/3 सदस्यों के विलय (Merger) की स्थिति में ही अयोग्यता से बचाव संभव है। इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 361(B) भी जोड़ा गया, जिसके तहत दल-बदल के कारण अयोग्य व्यक्ति लाभकारी राजनीतिक पदों के लिए भी अयोग्य होगा।

अतिरिक्त जानकारी

अपवाद (दल-बदल अयोग्यता से छूट)

1. दल का विलय:
- ❖ यदि किसी दल का विलय हो जाए और उसके 2/3 से अधिक सदस्य सहमत हों → अयोग्यता लागू नहीं।

2. विशेष पदधारी (छूट):
- ❖ लोकसभा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष
- ❖ राज्यसभा/उपसभापति
- ❖ राज्य विधानसभा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष
- ❖ राज्य विधानपरिषद सभापति/उपसभापति
- ❖ ये पदधारी अपने निर्वाचन पर दल छोड़ सकते हैं और पद अवधि में किसी दल से नहीं जुड़ते तो अयोग्य नहीं होंगे।

3. दल-बदल याचिका:
- ❖ लोकसभा सदस्य → याचिका स्पीकर को।
- ❖ स्पीकर पर मामला → याचिका महासचिव को।

विशेष तथ्य
- ❖ 1980-89 तथा 16वीं लोकसभा (2014-19) और 17वीं लोकसभा (2019-24) में विपक्ष का नेता नहीं था क्योंकि कोई भी दल 10% सीटें नहीं ला सका।
- ❖ 18वीं लोकसभा (2024) : कांग्रेस ने 99+ सीटें हासिल कीं → विपक्ष का दर्जा मिला।
- ❖ 9 जून 2024 से राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने।

(12) उच्चतम न्यायालय

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कर **सत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन बनाम भारत संघ (2015) पीठ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति जे.एस. केहर थे।
   (B) हीरालाल जे. कानिया संघीय न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे।
   (C) ADM जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला केस का संबंध बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट से है।
   (D) संविधान के अनुच्छेद 138 के तहत संसद उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता में वृद्धि कर सकती है।

   दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (A), (C) व (D)
   (3) केवल (C) व (D)
   (4) इनमे से कोई नहीं
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

(A) ✅	**Supreme Court Advocates-on-Record Association v. Union of India – "फोर्थ जजेज केस" (2015):** इसे **"फोर्थ जजेज केस"** भी कहा जाता है। इस मामले की सुनवाई **न्यायमूर्ति जे.एस. खेहर** की अध्यक्षता वाली पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की। **16 अक्टूबर 2015** को उच्चतम न्यायालय ने **4:1 के बहुमत** से **भारत का 99वाँ संविधान संशोधन** तथा **राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC)** को असंवैधानिक घोषित करते हुए **कॉलेजियम व्यवस्था** को पुनः मान्यता प्रदान की। **NJAC** को निरस्त किए जाने के पश्चात न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया निर्धारित करने हेतु **मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर (MoP)** तैयार किया गया। **MoP** एक दस्तावेज़ है, जो उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया निर्धारित करता है तथा इसे **भारत सरकार** और **कॉलेजियम** के बीच आपसी सहमति से तैयार किया जाता है।
(B)❌	हीरालाल जे. कानिया संघीय न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश नहीं थे। संघीय न्यायालय की स्थापना 1937 में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के अंतर्गत हुई थी। इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर मोरिस ग्वेयर थे, जबकि हीरालाल जे. कानिया संघीय न्यायालय के चौथे और अंतिम मुख्य न्यायाधीश तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम मुख्य न्यायाधीश (CJI) थे।
(C) ✅	***ADM Jabalpur v. Shivkant Shukla – "बंदी प्रत्यक्षीकरण मामला" (1976):*** आपातकाल *(1975)* के दौरान राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद *359(1)* के अंतर्गत अनुच्छेद *21* के प्रवर्तन को निलंबित कर दिया गया था। इस अवधि में अनेक व्यक्तियों को *MISA (Maintenance of Internal Security Act)* के तहत गिरफ्तार किया गया। बंदियों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट के लिए उच्च न्यायालयों का दरवाज़ा खटखटाया, जिसे उच्च न्यायालयों ने स्वीकार किया। इसके विरुद्ध केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में अपील की। **निर्णय***: 4:1* के बहुमत से *(*मुख्य न्यायाधीश ए.एन. रे, न्यायमूर्ति एम.एच. बेग, न्यायमूर्ति वाई.वी. चंद्रचूड़ एवं न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती*)* ने निर्णय दिया कि आपातकाल के दौरान, जब अनुच्छेद *21* के प्रवर्तन का अधिकार निलंबित है, तब बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट का दावा नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ने ऐतिहासिक असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार केवल संविधान से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक विधि एवं विधि के शासन के मूल सिद्धांतों से भी संरक्षित है, इसलिए इसे पूर्णतः समाप्त नहीं किया जा सकता।
(D)✅	अनुच्छेद 138 के तहत संसद उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता में वृद्धि कर सकती है। यह अनुच्छेद संसद को उच्चतम न्यायालय के क्षेत्राधिकार के विस्तार की शक्ति प्रदान करता है।

2. निम्नलिखित कथनो पर विचार कर **असत्य** कथनों का चयन कीजियेः-
   (A) 2019 में, संसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या 31 से बढ़ाकर 34 कर दी थी ।
   (B) ADM जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला में जस्टिस H.R. खन्ना ने जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को निलंबित करने के विरुद्ध फैसला दिया था।

(13) भारत निर्वाचन आयोग

1. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) निर्वाचन आयोग मूलतः एकल सदस्यीय निकाय था।
   (B) निर्वाचन आयोग की स्थापना और कार्यभार संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 के अंतर्गत वर्णित है।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

(A) ✅	निर्वाचन आयोग मूलतः एक **एकल सदस्यीय निकाय** था। 1950 से 15 अक्टूबर 1989 तक इसमें केवल मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पद था।
(B) ✅	निर्वाचन आयोग की स्थापना, संरचना और कार्यभार संविधान के **अनुच्छेद 324 से 329** के अंतर्गत वर्णित हैं। ये प्रावधान संविधान के **भाग XV (निर्वाचन)** में शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग

संवैधानिक आधार

❖ निर्वाचन आयोग की स्थापना और कार्यभार संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 के अंतर्गत वर्णित है।

❖ संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग की स्थापना और उसकी संरचना से संबंधित है।

❖ इसके अनुसार, निर्वाचन आयोग में एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त हो सकते हैं।

❖ यह संविधान के भाग-15 (भाग XV) में समाहित है।

संरचना

❖ **1950 से 15 अक्टूबर 1989 तक:**
- ➢ निर्वाचन आयोग में मूलतः केवल एक चुनाव आयुक्त का प्रावधान था । अर्थात् आयोग एक एकल सदस्यीय निकाय था।

❖ **16 अक्टूबर 1989:**
- ➢ मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई।
- ➢ कार्यभार बढ़ने पर राष्ट्रपति ने दो अतिरिक्त निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की।
- ➢ 16 अक्टूबर, 1989 से 1 जनवरी, 1990 तक तीन-सदस्यीय निकाय बन गया। (1 CEC + 2 ECs)।

❖ **2 जनवरी, 1990 :**
- ➢ दो निर्वाचन आयुक्तों के पद समाप्त कर दिए गए।
- ➢ 2 जनवरी, 1990 से 30 सितम्बर, 1993 तक यह एक एकल-सदस्यीय निकाय बन गया

❖ **01 अक्टूबर 1993 से वर्तमान तक:**
- ➢ 1 अक्टूबर, 1993 से यह तीन-सदस्यीय निकाय बन गया।
- ➢ दो निर्वाचन आयुक्तों को फिर से नियुक्त किया गया।
- ➢ तब से आयोग एक स्थायी बहुसदस्यीय निकाय के रूप में कार्य कर रहा है।

❖ **वर्तमान संरचना**
- ➢ आयोग में तीन सदस्य होते हैं:
  - ■ 1 मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC)
  - ■ 2 निर्वाचन आयुक्त (ECs)
- ➢ सभी आयुक्तों के पास समान शक्तियाँ होती हैं।
- ➢ यदि मतभेद हो, तो निर्णय बहुमत के आधार पर लिया जाता है।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) 18वीं लोकसभा आम चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें प्राप्त की तथा 4.37% वोट शेयर प्राप्त किया।
   (B) भारत निर्वाचन आयोग का मतदाता शिक्षा, जागरूकता और साक्षरता बढ़ाने हेतु वर्ष 2009 में SWEEP कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A) ❌	18वीं लोकसभा आम चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें प्राप्त कीं, लेकिन उसका वोट शेयर 4.58% था, 4.37% नहीं। 4.37% वोट शेयर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (AITC) का था।
(B) ❌	SWEEP (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचक सहभागिता) कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 2014 में प्रारंभ किया गया था, 2009 में नहीं, ताकि मतदाता शिक्षा, जागरूकता और मतदाता साक्षरता को बढ़ावा दिया जा सके।

(17) केन्द्रीय सूचना आयोग

1. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कर **असत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) अधिनियम पारित: 02 जून 2005
   (B) अधिनियम में कुल 5 अध्याय, 2 अनुसूचियाँ व 21 धाराएँ हैं।
   (C) केन्द्रीय सूचना आयोग का गठन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 12 के तहत 02 अक्टूबर 2005 को किया गया था।
   (D) अधिनियम के अध्याय 4 का संबंध केन्द्रीय सूचना आयोग से है।
   दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (A), (B) व (D)
   (3) केवल (C) व (D)
   (4) केवल (A), (B), (C) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A) ❌	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 15 जून 2005 को पारित हुआ था, न कि 02 जून 2005 को। यह अधिनियम 12 अक्टूबर 2005 से प्रभावी हुआ।
(B) ❌	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में कुल 6 अध्याय, 2 अनुसूचियाँ और 31 धाराएँ हैं, न कि 5 अध्याय, 2 अनुसूचियाँ और 21 धाराएँ।
(C) ❌	केंद्रीय सूचना आयोग का गठन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 12 के तहत किया गया, लेकिन इसका गठन 12 अक्टूबर 2005 को हुआ था, न कि 02 अक्टूबर 2005 को।
(D) ❌	अधिनियम का अध्याय 4 राज्य सूचना आयोग से संबंधित है, जबकि अध्याय 3 केंद्रीय सूचना आयोग से संबंधित है।

अतिरिक्त जानकारी

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 –
- ❖ अधिनियम पारित: 15 जून 2005
- ❖ प्रभावी: 12 अक्टूबर 2005
- ❖ उद्देश्य: नागरिकों को सरकारी जानकारी तक पहुँच सुनिश्चित करना और पारदर्शिता बढ़ाना।
- ❖ सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में **कुल 6 अध्याय, 2 अनुसूचियाँ, 31 धाराएँ** हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (अध्याय)

अध्याय 1	प्रारंभिक
अध्याय 2	सूचना का अधिकार और लोक प्राधिकारियों की बाध्यताएं
अध्याय 3	केन्द्रीय सूचना आयोग
अध्याय 4	राज्य सूचना आयोग
अध्याय 5	सूचना आयोगों की शक्तियां और कृत्य, अपील तथा शास्तियां
अध्याय 6	प्रकीर्ण

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (अनुसूचियाँ)

अनुसूची 1	**शपथ या प्रतिज्ञान का प्ररूप** – मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्त, राज्य मुख्य सूचना आयुक्त, राज्य सूचना आयुक्त द्वारा ली जाने वाली शपथ या प्रतिज्ञान।
अनुसूची 2	**आसूचना और सुरक्षा संगठन** – केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित आसूचना और सुरक्षा संगठन।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (Sections 1–20)

धारा 1	संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और प्रयोज्यता
धारा 2	परिभाषाएँ
धारा 3	सूचना का अधिकार
धारा 4	लोक प्राधिकारियों की बाध्यताएं
धारा 5	लोक सूचना अधिकारियों का पदनाम
धारा 6	सूचना अभिप्राप्त करने के लिए अनुरोध
धारा 7	अनुरोध का निपटारा
धारा 8	सूचना के प्रकट किए जाने से छूट

(19) संघवाद / केन्द्र-राज्य संबंध

1. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) एस. आर. बोम्मई मामला (1994) में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि संघीयता भारतीय संविधान की मूल संरचना है और राज्य केंद्र के उपग्रह नहीं, बल्कि अपने क्षेत्राधिकार में संवैधानिक इकाइयाँ हैं।
   (B) अनुच्छेद 1(2)(a) के अनुसार भारत में वे सभी क्षेत्र सम्मिलित हैं जो संधि, विधिक न्याय-गमन, विदेशी अध्यर्पण, युद्ध में विजय या स्वामित्व -विहीन भूमि के अधिग्रहण से अर्जित किए गए हों।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (1)

व्याख्या:-

(A) ✅	एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994) में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि संघीयता भारतीय संविधान की मूल संरचना है। राज्यों का अपना संवैधानिक अस्तित्व है और वे केवल केंद्र के एजेंट या उपग्रह नहीं हैं। अपने क्षेत्राधिकार में वे सर्वोच्च संवैधानिक इकाइयाँ हैं।
(B) ❌	अर्जित क्षेत्रों का उल्लेख अनुच्छेद 1(3)(c) में किया गया है, न कि अनुच्छेद 1(2)(a) में। भारतीय राज्य क्षेत्र में वे क्षेत्र भी सम्मिलित हैं जो संधि, विधिक न्याय-गमन, विदेशी अध्यर्पण, युद्ध में विजय अथवा स्वामित्व-विहीन भूमि के अधिग्रहण के माध्यम से प्राप्त किए गए हों।

अतिरिक्त जानकारी

भारतीय संघीय शासन व्यवस्था :

❖ भारत शासन अधिनियम, 1935 में संघीय शासन की परिकल्पना की गई, पर रियासतों के शामिल न होने से यह लागू नहीं हो सका।

❖ साइमन कमीशन (1927–28) और बटलर समिति (1927–30) ने अखिल भारतीय संघ का समर्थन किया।

❖ कैबिनेट मिशन योजना (1946) ने राज्यों को अधिक शक्तियों वाला ढीला संघ प्रस्तावित किया।

❖ संविधान सभा ने तत्कालीन परिस्थितियों के कारण केंद्र की ओर झुकी संघीय व्यवस्था अपनाई।

❖ उद्देश्य प्रस्ताव में नेहरू ने ऐसे संघ की कल्पना की जिसमें घटक राज्य स्वायत्त इकाइयाँ हों और उनके पास अवशिष्ट शक्तियाँ रहें।

भारतीय राज्य क्षेत्र (Territory of India)

❖ भारतीय राज्य क्षेत्र तीन भागों से मिलकर बना है –
1. राज्य (States) – 28
2. संघ राज्य क्षेत्र (Union Territories) – 8
3. अर्जित क्षेत्र (Acquired Territories)

भारतीय संघ और भारतीय राज्य क्षेत्र में अंतर

❖ भारतीय संघ (Union of India) – इसमें केवल वे राज्य आते हैं जो शक्ति-वितरण में भागीदार हैं।

❖ भारतीय राज्य क्षेत्र (Territory of India) – इसमें वे सभी क्षेत्र आते हैं जहाँ तक भारत की संप्रभुता फैली है (राज्य + संघ राज्य क्षेत्र + अर्जित क्षेत्र)।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) अर्जित क्षेत्रों पांडिचेरी, दादरा-नगर हवेली, गोवा, दमन, दीव को शामिल करने के तरीकों में विधिक, सैन्य और संधि शामिल हैं, और इन्हें संविधान संशोधनों के जरिए संघ राज्य क्षेत्र का दर्जा मिला।
   (B) पांडिचेरी 1954 में डि-फेक्टो और 1962 में डि-ज्यूरे भारत में शामिल हुआ तथा संघ राज्य क्षेत्र का दर्जा प्रथम अनुसूची संशोधन से मिला, जबकि गोवा, दमन और दीव 1961 में ऑपरेशन विजय के बाद ही संघ राज्य क्षेत्र बने।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

(A) ✅	अर्जित क्षेत्रों पांडिचेरी, दादरा-नगर हवेली, गोवा, दमन, दीव को शामिल करने के तरीकों में विधिक, सैन्य और संधि शामिल हैं, और इन्हें संविधान संशोधनों के जरिए संघ राज्य क्षेत्र का दर्जा मिला।
(B) ✅	पांडिचेरी 1954 में डि-फेक्टो और 1962 में डि-ज्यूरे भारत में शामिल हुआ तथा संघ राज्य क्षेत्र का दर्जा प्रथम अनुसूची संशोधन से मिला, जबकि गोवा, दमन और दीव 1961 में ऑपरेशन विजय के बाद ही संघ राज्य क्षेत्र बने। पांडिचेरी 1 नवम्बर 1954 को

(20) संघ लोक सेवा आयोग

1. संघ लोक सेवा आयोग से संबंधित निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) वर्तमान में आयोग के अध्यक्ष अजय कुमार वर्ष 2025 से कार्यरत है ।
   (B) स्वतंत्रता के बाद आयोग के प्रथम भारतीय अध्यक्ष आर. एन. बनर्जी है।
   उपरोक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

(A) ✅	UPSC के वर्तमान अध्यक्ष अजय कुमार हैं, जो 2025 से कार्यरत हैं (पूर्व रक्षा सचिव, IAS 1985 बैच)।
(B) ✅	स्वतंत्रता के बाद UPSC के प्रथम भारतीय अध्यक्ष आर. एन. बनर्जी (1949–1955) थे।

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के अध्यक्षों की सूची (1926 - 2026)

क्र.	नाम	कार्यकाल	पृष्ठभूमि
1	सर रॉस बार्कर	1926 – 1932	UPSC के **प्रथम अध्यक्ष**; ब्रिटिश ICS अधिकारी।
5	एच. के. कृपलानी	1947 – 1949	स्वतंत्र शासन के प्रारंभिक परिवर्तन में शामिल।
6	आर. एन. बनर्जी	1949 – 1955	स्वतंत्रता के बाद **प्रथम भारतीय अध्यक्ष**।
7	एन. गोविंदराजन	1955	सबसे छोटा कार्यकाल
12	ए. आर. किदवई	1973 – 1979	बाद में कई राज्यों के राज्यपाल के रूप में कार्य किया।
16	रोज़ मिलियन बाथ्यू (खरबुली)	1992 – 1996	UPSC की **प्रथम महिला अध्यक्ष**।
32	डॉ. प्रदीप कुमार जोशी	2020 – 2022	
33	डॉ. मनोज सोनी	2023 – 2024	
34	प्रीति सुदन	2024 – 2025	
35	अजय कुमार	2025 –वर्तमान	IAS अधिकारी (1985 बैच); पूर्व रक्षा सचिव।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) 15वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1963 के द्वारा संघ लोक सेवा आयोग से संबंधित प्रावधानों में बदलाव किया गया।
   (B) संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है।
   उपरोक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

(A) ✅	15वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1963 के द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) से संबंधित प्रावधानों में संशोधन किया गया था। इसके अंतर्गत आयोग के अध्यक्ष/सदस्य की अनुपस्थिति या अस्थायी रूप से कार्य करने में असमर्थता की स्थिति में कार्यभार संबंधी व्यवस्था को स्पष्ट किया गया। इसलिए कथन सही है।
(B) ✅	अनुच्छेद 316(2) के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है। इसलिए कथन सही है।

अतिरिक्त जानकारी

अनुच्छेद 316 - सदस्यों की नियुक्ति और पदावधि

❖ **अनुच्छेद 316(2) कार्यकाल:**

➢ संघ लोक सेवा आयोग : 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है।

(22) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग

1. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कर **सत्य** कथनों का चयन कीजिएः
   (A) आयोग में एक अध्यक्ष और छह सदस्य होते हैं, जिनमें कम से कम दो महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य है।
   (B) आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है, और अध्यक्ष की नियुक्ति शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय चयन समिति की सिफारिश के आधार पर होती है।
   (C) आयोग के अध्यक्ष या सदस्य किसी भी समय केंद्र सरकार को लिखित रूप में त्यागपत्र प्रस्तुत करके अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं।
   (D) GHAR पोर्टल (घर-घर जाओ) बाल तस्करी से निपटने के लिए भेद्यता मानचित्रण करता है और मौजूदा प्रशासनिक तथा संरक्षण तंत्रों के साथ समन्वय स्थापित करता है।

   नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
   (1) केवल (A), (B) व (C)
   (2) केवल (A), (B) व (D)
   (3) केवल (C) व (D)
   (4) केवल (A), (B), (C) व (D)
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (1)

व्याख्या:-

(A) ✅	NCPCR में 1 अध्यक्ष और 6 सदस्य होते हैं तथा कम से कम 2 महिलाएँ होना अनिवार्य है।
(B) ✅	आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है और अध्यक्ष की नियुक्ति शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय चयन समिति की सिफारिश पर होती है।
(C) ✅	अध्यक्ष या सदस्य किसी भी समय केंद्र सरकार को लिखित रूप में त्यागपत्र देकर पद छोड़ सकते हैं।
(D) ❌	"बाल तस्करी से निपटने के लिए भेद्यता मानचित्रण और प्रशासनिक तंत्र से समन्वय" GHAR पोर्टल का कार्य नहीं है, बल्कि यह **संवर्धन कार्यक्रम** से संबंधित है। GHAR पोर्टल मुख्यतः बच्चों की ट्रैकिंग, रेस्क्यू, रिस्टोरेशन और पुनर्वास के लिए बनाया गया डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसलिए कथन में GHAR पोर्टल और संवर्धन कार्यक्रम को गलत तरीके से जोड़ा गया है।

आयोग की संरचना

पद	संख्या	नियुक्ति	शर्तें
अध्यक्ष	1	केंद्र सरकार द्वारा	3 साल या 65 साल की उम्र तक। बशर्ते कि अधिकतम 2 सत्र न हों।
सदस्य	6 (कम से कम **2 महिलाएँ अनिवार्य)**	केंद्र सरकार द्वारा	3 साल या 60 साल की उम्र तक। बशर्ते कि अधिकतम 2 सत्र न हों।

2. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की स्थापना मार्च 2007 में हुई थी, जो बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत कार्यरत है; यह अधिनियम संसद द्वारा दिसंबर 2005 में पारित किया गया था।
   (B) बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के अनुसार, 0 से 18 वर्ष तक की आयु वाला प्रत्येक व्यक्ति को बालक/बच्चा माना गया है।

   उपरोक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B) दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

(A) ✅	राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) की स्थापना मार्च 2007 में की गई थी। यह बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के अंतर्गत एक वैधानिक निकाय (Statutory Body) है। यह अधिनियम संसद द्वारा दिसंबर 2005 में पारित किया गया था। इसका लागू क्षेत्र जम्मू-कश्मीर को छोड़कर संपूर्ण भारत था।
(B) ✅	अधिनियम के अनुसार 0 से 18 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक व्यक्ति को बच्चा (Child) माना गया है। आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों से संबंधित सभी कानून, नीतियाँ और योजनाएँ भारतीय संविधान एवं संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय (UNCRC) के अनुरूप हों। आयोग अधिकार-आधारित दृष्टिकोण अपनाता है तथा राष्ट्रीय

(24) लोक नीति

1. भारत सरकार की प्रमुख योजनाएं व उनके प्रारंभ होने की तिथि के संबंध में **असुमेलित** युग्म है?

(A)	PM-सूर्य घर: मुफ्त बिजली	-	15 अगस्त, 2023
(B)	अटल पेंशन योजना	-	9 मई, 2015
(C)	उज्ज्वला योजना 2.0	-	1 अक्टूबर, 2021
(D)	PM-किसान सम्मान निधि	-	24 फरवरी, 2019

नीचे दिये गये कूटों की सहायता से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

(1) केवल (B) व (C)
(2) केवल (A) व (C)
(3) केवल (A), (B), (C) व (D)
(4) केवल (D)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (2)

व्याख्या:-

योजना का नाम	**लॉन्च तिथि**	**मुख्य लक्ष्य एवं वर्तमान स्थिति (Status 2026)**
PM-किसान सम्मान निधि	24 फरवरी, 2019	• फरवरी 2026 तक **19वीं किस्त** जारी। • अब तक ₹3.5 लाख करोड़ से अधिक DBT के माध्यम से ट्रांसफर। • **20वीं किस्त** जून 2026 में संभावित।
PM-सूर्य घर: मुफ्त बिजली	15 फरवरी, 2024	• 1 करोड़ घरों की छत पर सोलर पैनल का लक्ष्य। • 300 यूनिट मुफ्त बिजली और **₹78,000** तक की सब्सिडी का प्रावधान।
लखपति दीदी योजना	15 अगस्त, 2023	• 3 करोड़ SHG महिलाओं की सालाना आय ₹1 लाख करने का लक्ष्य। • **ड्रोन दीदी** कार्यक्रम के साथ इसका एकीकरण किया गया है।
अटल पेंशन योजना (APY)	9 मई, 2015	• 2026 की रिपोर्ट के अनुसार कुल नामांकन **6.5 करोड़** के पार। • असंगठित क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजना।
अमृत (AMRUT 2.0)	1 अक्टूबर, 2021	• 4,700 शहरों में जल आपूर्ति और सीवरेज प्रबंधन। • 'वाटर सिक्योर सिटीज' के तहत 100% कवरेज की ओर अग्रसर।
उज्ज्वला योजना 2.0	10 अगस्त, 2021	• **10 करोड़** से अधिक कनेक्शन पूर्ण। • लाभार्थियों को अब प्रति सिलेंडर ₹300 की सीधी सब्सिडी (DBT) मिल रही है।

2. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (नीति के प्रकार)		**सूची-II (उदाहरण)**	
(A).	नियामक	i.	छात्रवृत्ति और मुफ्त राशन
(B).	वितरणकारी	ii.	यातायात नियम और प्रदूषण मानक
(C).	पुनर्वितरणकारी	iii.	प्रगतिशील कर प्रणाली
(D).	संरचनात्मक	iv.	प्रशासनिक ढांचे में सुधार

सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) A - (ii), B - (i), C - (iv), D - (iii)
(2) A - (ii), B - (iv), C - (i), D - (iii)
(3) A - (ii), B - (i), C - (iii), D - (iv)
(4) A - (iii), B - (iv), C - (i), D - (ii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (3)

व्याख्या:-

लोक नीति का प्रकार	**विवरण**	**उदाहरण**
नियामक नीतियां (Regulatory)	जो व्यक्तियों या समूहों के व्यवहार को नियंत्रित करती हैं	यातायात नियम, प्रदूषण मानक

(27) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (RAS प्रारंभिक परीक्षा से हटा दिया गया है)

1. निम्नाँकित कथनों पर विचार कीजिए:
   (A) CAG को उसी प्रक्रिया और आधार पर हटाया जा सकता है, जिस पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाया जाता है।
   (B) भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1951 पर आधारित हैं।

   निम्न कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चुनाव कीजिये :
   (1) केवल (A) सही है।
   (2) केवल (B) सही है।
   (3) (A) एवं (B दोनों सही हैं।
   (4) न तो (A) न ही (B) सही हैं।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर- (4)

व्याख्या:-

(A) ❌	CAG को हटाने की प्रक्रिया उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों जैसी नहीं, बल्कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के समान (दुर्व्यवहार/अक्षमता पर संसद के विशेष बहुमत व राष्ट्रपति द्वारा) होती है।
(B) ❌	CAG की सेवा शर्तें व कर्तव्य "CAG (कर्तव्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम, 1951" पर आधारित नहीं हैं, बल्कि "CAG Act, 1971" पर आधारित हैं।

अतिरिक्त जानकारी

भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- ❖ अनुच्छेद 148 के अंतर्गत CAG (Comptroller and Auditor General of India) के स्वतंत्र संवैधानिक पद की स्थापना की गई है।
- ❖ इसे संक्षेप में महालेखा परीक्षक कहा जाता है।
- ❖ यह भारतीय लेखा परीक्षण और लेखा विभाग का प्रमुख होता है।
- ❖ इसका कार्य लोक वित्त का संरक्षक बनकर केंद्र और राज्य सरकारों की वित्तीय गतिविधियों पर निगरानी रखना है।
- ❖ भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 पर आधारित है।

पद से हटाया जाना:

- ➢ CAG को उसकी निर्धारित पदावधि में काम करने की संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त है।
- ➢ CAG को उसी प्रक्रिया और आधारों पर हटाया जा सकता है, जिस पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाया जाता है, अर्थात्:
  - ■ दुर्व्यवहार या असक्षमता के आधार पर,
  - ■ संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से संकल्प पारित होने के बाद, राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।
- ➢ अतः वे राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर नहीं होते, भले ही उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है।

हटाने की प्रक्रिया

- ❖ **किन-किन पदों पर लागू**
  - ➢ उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश।
  - ➢ मुख्य चुनाव आयुक्त ।
  - ➢ नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)।
- ❖ **हटाने के आधार**
  - ➢ दुर्व्यवहार, पद के दुरुपयोग, अक्षमता
- ❖ **प्रक्रिया**
  - ➢ संसद द्वारा प्रस्ताव पारित होना आवश्यक।
  - ➢ प्रस्ताव तभी पारित होगा जब:
    - ■ सदन के कुल सदस्यों का 50% से अधिक मतदान हो।
    - ■ उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों में से 2/3 विशेष बहुमत समर्थन दे।
- ❖ **महाभियोग शब्द का प्रयोग**
  - ➢ न्यायाधीशों, मुख्य चुनाव आयुक्त और CAG के मामले में संविधान में 'महाभियोग' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है।
  - ➢ 'महाभियोग' शब्द का उपयोग केवल राष्ट्रपति को हटाने की प्रक्रिया के लिए किया जाता है।
- ❖ **राष्ट्रपति को हटाने हेतु:**
  - ➢ संसद के दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का 2/3 विशेष बहुमत आवश्यक है।
  - ➢ यह प्रक्रिया केवल राष्ट्रपति के लिए लागू होती है, किसी अन्य पद के लिए नहीं।